विज्ञान कपोलकथा

स्निग्धा ग्रह के वासी

अंशु शेखर

PREVIEW

स्निग्धा ग्रह के वासी

विज्ञान कपोलकथा

अंशु शेखर

जगप्रभा

PREVIEW

PREVIEW

Cover Photo Credit

Aliens: jagrantoday.com

Spacecraft: 8minutesleep.com

-: eBook :-

Snigdha Grah ke Waasi: Inhabitants of 'Snigdha' Planet

Author: Anshu Shekhar

Copyright © 1998: Author

Cover-designed, Composed and Published by JagPrabha.

Contact: jagprabha.bhw@gmail.com

Available at: jagprabha.in

Price: Rs. 50.00

***

PREVIEW

PREVIEW

स्निग्धा ग्रह के वासी

सन् 2050 ईस्वी।

मध्यपूर्व की भीषण लड़ाई के बाद सं.रा. अमेरिका और एकीकृत यूरोप जर्जर हो चुके हैं; चीन में छात्रों के नेतृत्व में लोकतंत्र कायम हो चुका है; ब्रिटेन उत्तरी अटलान्टिक महासागर में डूब चुका है- वहाँ के नागरिकों को पहले ही कनाडा में बसाया जा चुका था; और.... 'वृहत्तर भारत' के नेतृत्व में कायम होने वाली 'आदर्श विश्व व्यवस्था' अपने अन्तिम चरण में है।

***

Image by Wirestock on Freepik

23 मार्च की सुबह। समय 3 बजकर 50 मिनट।

चन्द्रमा पर स्थित अन्तरिक्ष स्टेशन "नीहारिका" ने अन्तरिक्ष से आये कुछ सन्देशों को पकड़ा। सन्देश वैदिक संस्कृत में थे। कुछ ही पलों में दुनिया भर में हलचल मच गयी। सन्देश का तात्पर्य कुछ यूँ था कि 'स्निग्धा' नामक ग्रह का अन्तरिक्षयान 'चैतन्य' ब्रह्माण्ड का नक्शा बनाने के काम पर निकला हुआ है और वही

PREVIEW

PREVIEW
यह सन्देश प्रसारित कर रहा है। सन्देश में दूसरी तकनीकी जानकारियाँ भी थीं, ताकि अगर कोई चाहे, तो सहजता से उत्तर दे सके।

Image by slon.pics on Freepik

कोई बारह घण्टों की मशक्कत के बाद 'नीहारिका' के खगोलीय दूरबीनों ने उस अन्तरिक्षयान यानि 'चैतन्य' को खोज निकाला। वह पृथ्वी से करीब 10खरब, 14अरब, 26करोड़, 40 लाख किलोमीटर दूर था और एक लाख किलोमीटर प्रति सेकेण्ड की प्रचण्ड रफ्तार से हमारी 'आकाशगंगा' से दूर जा रहा था।

उसी वक्त, यानि शाम चार बजे करीब उसे वैदिक संस्कृत में उत्तर भेजा गया कि उसका सन्देश पा लिया गया है। साथ ही, आकाशगंगा के अन्दर पृथ्वी की स्थिति की जानकारी भी दी गयी।

'चैतन्य' जिस रफ्तार से धरती से दूर जा रहा था, उससे अनुमान लगाया कि लगभग 58 दिन, 17 घण्टे बाद 21 मई के दिन ही उसे धरती का सन्देश मिल पायेगा। और फिर, जब वह उत्तर भेजेगा, तो उसे भी धरती तक पहुँचने में उतना ही समय लगेगा। यानि धरतीवासियों के पास प्रायः चार महीनों तक इन्तजार

PREVIEW